75 Rs.

पचहत्तर रुपया

भारत INDIA

७५रु. 75Rs

SEVENTY FIVE RUPEES

अंके ४५००) रुपैया जिसका सालाना मालगुजारी
महल मो. ०-२५ पच्चीस पैसे बंदर जमीन्दारी बि-
हार सरकार के है।

५. तफसील जायदाद - मिलकी ०-११ ग्यारह डिसमिल जमीन रंक
रकियत आपकी जिसका चौड़ाई उत्तर से दक्खिन
१०० कड़ी वो लम्बाई पूरब से पश्चिम ११०
कड़ी है, तकबीनन रकबा ०-११ डिसमिल
है। वाके मौजा दुलौरा थाना शुमार थाना
न. ४४ अन्दर खाता न. ११४ जो मुतअल्लिके
कचहरी के डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार रांची वो
सब रजिस्ट्रार मो. शुमार के हलके में
हैं।

तफसील जमीन के बिक्री चौहद्दी

खाता न-	प्लाट न. -	रकबा -	चौहद्दी
११४ -	३४६ -	०-११डी.-	उ.- रोड मौजा द.- रोड सड़क पू.- रोड मौजा प.- पक्की रोड कैनाल

मिलजुमले रकबा ५५½ डी के हिस्सा।

जानीब दौलत ताल

जुमा रकबा ग्यारह डी समीन। ०- ११डी.

ग्याहे मनमो कीरा को रुपैये की जरूरत
है वास्ते काम जरूरी के है, इसलिए
मोकीरलअलैह से जरसमन का रुपैया लिया
वो नगद में पाया। वो रुपैया मजकूर

रुपैया।

Rakesh Ranjan

5 R$

INDIA

पाँच रुपये

सत्यमेव जयते

FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

[illegible] बिक्री [illegible]
[illegible]
के भाग के रोज से खरीददार मजकुर
को खुद ब दखलकार [illegible]
खुद दखलकार हो कर [illegible]
[illegible]
खुद [illegible] बिक्री के [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
हक को [illegible] भाग के रोज से
खरीददार मजकुर [illegible]
होगा। [illegible]
[illegible]
[illegible]
रसीद [illegible]
[illegible]
को कोई उजूर [illegible]
[illegible] होगा इस लिए [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] २२-५-७६

Rakesh Ranjan

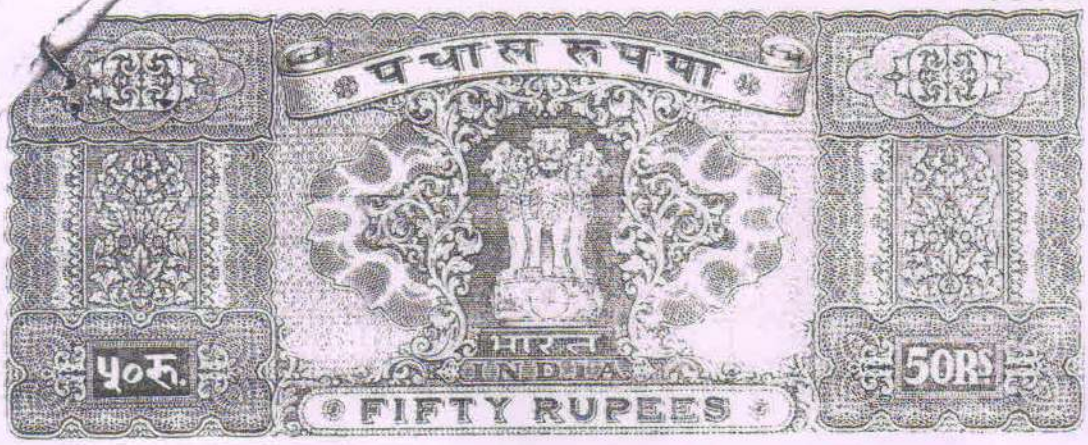

Muncipal 172

50 RS.

पचास रुपया

भारत

INDIA

५० रु.

50 RS

FIFTY RUPEES

के एवज में जर समन कार देकर मुचलके रामा नं
के साथ मोकीरअलेह के विक्री बेला कलामी किया
चाहिए कि मोकीरअलेह से खरीदी जमीन पर
काबिज वो दखलकार होकर वो प्रकार कच्चा पक्का
मकान कुंआ सहन आबादिया बनावें या जिस
तरह चाहें अमल में लावें इसपर किसी प्रकार
का उजुर मोकीर या वारिसान मनमोकीर आजम
मोकासियान को नहीं है न आइंदे होगा।
मोकीरअलेह को चाहिए के वे खरीदी जमीन
का दाखिल खारिज बिहार सरकार के सिरिश्ते में
अपने नाम से कायम करा लेवें रसीद हासिल
करें, जमा कर जिस तरह चाहें इसपर किसी
प्रकार का उजुर मोकीर या वारिसान मनमोकीर
को नहीं है न होगा। मोकीर मोकीरअलेह
को यह भी विश्वास दिलाता है कि मैं
विक्री जमीन हर हाल में पाक वो साफ है
इसपर किसी प्रकार का भार नहीं है यदि
किसी प्रकार का दावेदार मनमोकीर या वारिसान
होगा तो उसका देनदार मनमोकीर या वारिसान
मनमोकीर होंगे। वो मोकीरअलेह को हक होगा
कि वो कानूनी कार्यवाई द्वारा मनमोकीर के
जात वो जायदाद से जर समन का रुपया मैं
सूद के मनमोकीर से कर सकते हैं इस
पर किसी प्रकार का उजुर नहीं होगा न
बाद में करेंगे।

छैपा।

Rakesh Ranjay

BIHAR 15nP

INDIA

पन्द्रह नये पैसे पन्द्रह नये पैसे

भारत

FIFTEEN NAYE PAISE

हूँ कि उनका रक्षित से गत नहीं हूँ जो के
रहे के साक्षी के नाम लिखने में
संदिग्ध नहीं - हे० मा० - रा० ता० १६-५-२०

लोकसाक्षी पि हार सार कार जगतदेश
लगत र १९७ सन १९६२ के गन्नु
रहार घोषीत करता हूँ कि
निर्दिष्ट साक्षित कृत नहीं है।

शहोरार राजुप्रसाद १६-५-२०

लोकसाक्षी पि हार तार कार जगतदेश
लगत र. १९७ सन १९७३ के गन्नु
रहार घोषीत करती हूँ कि
उसे गई गलीत से संदिग्ध नहीं
है।

श्रीमती नीलम सिंह

पा० को उ वाह निरपत्र की जात लो-गुजाना
गोविंद के कहने से जहाँ पलवली
कि ... लिखना को पढ़ कर देखा को
लोकमा ... दस्तो ता० १६-५-२०

शहोरार राजुप्रसाद १६-५-२०

Rakesh Ranjan

Mruneiil 17.

7 RS

INDIA

सात रुपया

सात रुपया

SEVEN RUPEES भारत SEVEN RUPEES

वो आजतक जिस तरह का हक हकूक मनमीकार का
के बिक्री जमीन पर था सो सब बेला किसी रखो बदलके
मोकीर अलेह का हुवा वो आगे होगा। इसलिए आज
के रोज तारतमन का कुल रुपया चुकती पाकर अपने
खुशी वो रजी से बेला किसी के बहकाने फुसलाने के
सही दुरुस्त मिजाज मे यह बिक्री बेला नामा
लिख दिया कि समय पर काम आवे आज ता०
३१- ८-१९६४ ईस्वी।

१- लेखकारी - बिहार सरकार अध्यादेश न. १९६ सन
-१९६२ के अनुसार मैं घोषित करता
हूँ कि मेरे सम्पति वो मोकीर
अधिकतम सिमा से अधिक नहीं है
वो मेरा नाम मुवाफ़िक को नहीं छूटा
दिनांक ३१-१२-६३ में अंकित नहीं है

सही उमर कुमार पोद्दार
३१. ८. ६४

२- लेखकारी - बिहार सरकार अध्यादेश न. १९६ सन
१९६२ के अनुसार मैं घोषित करता
हूँ कि मेरी सम्पति खरीद की
जाने वाला सम्पति के अधिकतम
सिमा से अधिक नहीं है।

कन्हैया कुमार सिंह
३१/८/६४

कातिब उजागर मिश्र साकिन गुलाब रुजार गांव के यहा
बिक्री बेला नामा लिखा वो पढ़कर सुना वो समझा दिया
[illegible] सही कर दी सही किया ता० ३१- [illegible]

सही उमर कुमार पोद्दार
३१. ८. ६४

Rakesh Ranjan

नाम मौजा- दुन्दरिया

नाम थाना- गुमला

थाना नं०- 44 वार्ड नं० - 2
जिला - गुमला
स्केल एक माईल= 16 इंच
सन १९३०-३१ ई०

लाल रंग ■ से दर्शाया गया क्षेत्र का ब्योरा :-

खाता नं०	प्लॉट नं०	रकबा
114	396	0.09½ ए०

चौहद्दी :-
उत्तर- मकान जमादार सिंह
दक्षिण- नगरपालिका पथ
पूरब- अमीन स्वयं भूस्वामि -
पश्चिम- लोहरदगा रोड

नाम भूस्वामि :-
श्री राकेश रंजन, पिता स्व० काली कुमार सिंह, ग्राम- दुन्दरिया, थाना एवं जिला गुमला।

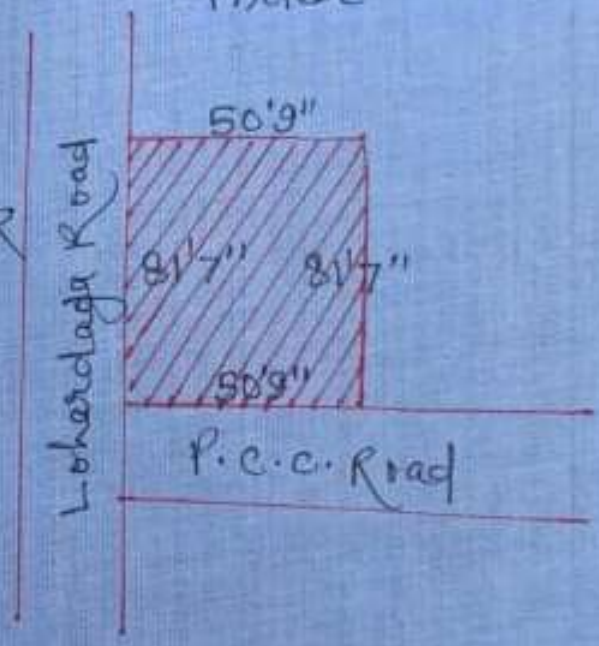

Traced by
Sanjay Kumar Singh
S. K. Singh
Surveyor Gumla